राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल बैंगलुरु

देव दीपिका

75वीं हीरकोत्तर जयंती

प्रथम संस्करण – फरवरी 2021

श्री टी.एस सुरेश
शिक्षा प्रभारी

श्री मोहिन्द्र कुमार,
सह संपादक

श्री चंदन कुमार डे
रचना एवं छायाकार

अंकित कुमार
छात्र सह संपादक

संरक्षक
ले कर्नल दीपांकर चौधरी
प्राचार्य

मेजर विकास सिरोहा
प्रशासनिक अधिकारी

श्री प्रभुदयाल
विभागाध्यक्ष हिन्दी
मुख्य संपादक

संपादकीय

पढ़ो बढ़ों इस शाला में खाओ यहाँ का अन्न।
मिलिट्री स्कूल के अध्ययन से हो जाओगे धन्य।
तुम हो जाओगे धन्य ,महिमा रंग लायेगी
भारतीय सेना तुम्हारे लिए गर्व से मुसकरायेगी

बड़े ही फ्रक्र और गर्व के साथ अपनी आत्मानुभूति कल्पना की कलम से लिखने को बेताब हूँ क्योंकि मेरा सपना था वह पूरा होने जा रहा है । हमारे विद्यालय के प्राचार्य जी की प्रेरणा से हिन्दी त्रिमासिक पत्रिका का शुभारंभ जिसका प्रथम संस्करण प्रकाशन प्राचार्य जी के निर्देशन में किया है ।

नामकरण करना कठिन नहीं लेकिन सरल भी नहीं है । मानो सागर मथन के समान था । आखिर देवनागरी लिपि और विद्यालय न्यूज लेटर 'दीपक' का समावेश कर नामकरण किया गया 'देव दीपिका ' यह पत्रिका सौभाग्यशाली है क्योकि इस वर्ष हमारे विद्यालय की 75वीं सालग्रह अर्थात हीरकोत्तर जयंती (प्लैटिनम जुबली) मनायी जायेगी ।

सैन्य शिक्षा पर आधारित अंग्रेजी माध्यम विद्यालय है। हिन्दी को भी उचित प्रतिनिधित्व मिलने से छात्रों की आत्मानुभुति गगनचूम रही हैं। जिसका प्रतिफल इस 'देव दीपिका' पत्रिका में प्रतिबिम्बित है जो दिया योगदान सराहनीय है। जिन्होंने अपने नन्हें–नन्हें हाथों से एवं अपनी परिकल्पना ,पूर्व ज्ञान से ज्वलनत विषयों जैसे लॉकडाउन , दूरसंचार द्वारा कक्षाए, कोरोना एवं बचने के उपाय पर प्रकाश डाला है। अपने ज्ञान को समाज के सामने प्रेषित कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

छात्रों को अपना आत्मविश्वास विकसित करने के लिए आधार मिलेगा है जो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपने ज्ञान को अधिक निखार सके । यही मेरा प्रयास है। इस पत्रिका को अपनी मंजिल तक पहुँचाने में छात्रों, अध्यापकों ,और विद्यालय प्रशासन द्वारा प्रेषित अथाह सहयोग का प्रतिफल है । मै विद्यालय परिवार एवं प्राचार्य जी की और से सभी को आभार प्रेषित करता हूँ ।

शुभेच्छु

प्रभुदयाल
(असैनिक राजपत्रित अधिकारी)
विभागाध्यक्ष हिन्दी

प्राचार्य का संदेश

'देव दीपिका ' हिन्दी पत्रिका का प्रथम संस्करण प्रकाशित हो रहा है । यह बड़ा ही महत्वपूर्ण कदम है । क्योंकि वर्तमान परिस्थितियों में समयानुसार छात्रों के संम्पूर्ण विकास के लिए अधिकाधिक भाषाओं का अध्ययन आवश्यक है। न केवल भारतीय भाषाओं वल्कि विदेशी भाषाओं का भी अध्ययन अत्यंत आवश्यक है । मैं हिन्दी विभाग को बधाई प्रेषित करते हूए कामना करुंगा कि यह पत्रिका गगनचुंबी बनेगी ।

प्रशासनिक अधिकारी का संदेश

मासिक पत्रिका ' देव दीपिका ' का प्रथम संस्करण प्रकाशित हो रहा है । इस पत्रिका में छात्रों की मेहनत और योगदान के लिए धन्यवाद एवं हार्दिक बधाई प्रेषित करता हूँ साथ ही प्रेरणाश्रोत शिक्षकों के अथाह प्रयत्नो का प्रतिफल यह पत्रिका अपने ध्येय को मयसफलता उच्चाकांक्षाओं के साथ गगन चूमेगी ।

विद्यालय की प्रतिभाएँ–

इस साल हमारे विद्यालय के है:

1. कैडेट राजीव राय टैगोर
2. अनुराग नेहरु
3. सत्यम नेहरु
4. अनसल शास्त्री
5. हिमान्शु कुमर
6. रितेश

छात्रों ने नेशनल डिफेन्स एकेड़मी खडकवासला पुणे में सैन्य अधिकारी के रुप में प्रविष्टि होकर विद्यालय एवं अपने माता –पिता का नाम रोशन किया है। विद्यालय प्रशासन उनके भावी जीवन की मंगलकामना करते हुए शुभकामना प्रेषित करता है ।

पथ प्रेरकों का विद्यालय भ्रमण

पथ प्रेरक एवं विद्यालय के बोर्ड चैयरमैन मेजर जनरल के. जी बाबू कर्नाटक एवं केरला सब एरिया ने ,विद्यालय में पधार कर 14 सितम्बर 2020 शिक्षक दिवस के सुअवसर पर शिक्षकों को, शिक्षक दिवस की शुभकामनाओ के साथ उपहार भेंट किए। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक समाज निर्माता है। शिक्षक की किसी से तुलना करना ना मुमकिन है । कोरोना काल मे छात्रों को (ऑनलाइन) दूरसंचार माध्यम द्वारा शिक्षण प्रदान करना कठिन कार्य है । जिसे शिक्षक निभा रहे है । मुझे आशा है कि हमारे शिक्षक गुणवत्ता युक्त शिक्षण कर रहे है ।

दीपावली

दीपावली के मौके पर विद्यालय प्राचार्य ले कर्नल दीपांकर चौधरी ने दीप प्रज्जवलित कर दीपोत्सब मनाया। इस मौके पर शिक्षकों कर्मचारियों एवं सैनिकों का संम्बोधित करते हुए कहा कि प्रेमभाव मेलजोल ही देश सेवा एवं देशभक्ति है । इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी मेजर विकास सिरोहा शिक्षा प्रभारी श्री टी एस सुरेश, शिक्षकगण ,कर्मचारी एवं सैन्य कर्मी उपस्थित थे ।

अंतर्सदनीय कविता पाठ एवं अनुभाषण

अंतर्सदनीय कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन 23 नवंबर 2020 को दूरसंचार के माध्यम से आयोजित किया गया । वीर रस ,रौद्र रस, करुणा रस, अन्य रसों से परिपूर्ण कविताओ का मंचन किया गया । इस अवसर पर प्राचार्य ले कर्नल दीपांकर चौधरी, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षगण तथा छात्रों के साथ उनके माता पिता भी दूरसंचार के माध्यम से प्रतियोगिता में शामिल हुए।

अंतर्सदनीय अनुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन 25 नवंबर 2020 को राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल में दूरसंचार के माध्यम से आयोजित किया गया । चारों सदनों के छात्रों ने भागीदारी निभाई उन्होने महान हस्तियों के द्वारा दिए गए भाषण का अनुशरण कर अनुभाषण दिए।

गोवर्धन पूजा

4847 मनीष कुमार कक्षा 10

गोवर्धन पर्वत उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के अंतर्गत एक नगर पंचायत है । गोवर्धन तथा उसके आसपास के क्षेत्र को ब्रजभूमि भी कहा जाता है यह भगवान श्री कृष्णा की लीला स्थली हैत यहीं पर भगवान श्री कृष्ण ने द्वापर युग में ब्रज वासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत अपनी कनिष्ठ उंगली पर उठाया था । गोवर्धन पर्वत को भक्तजन गिरिराज भी कहते हैं । सदियों से यहां दूर–दूर से भक्तजन गिरिराज जी की परिक्रमा करने आते हैं । गोवर्धन मथुरा से 26 किलोमीटर पश्चिम दिशा में स्थित है कहा जाता है कि यहाँ के कण–कण में भगवान श्री कृष्ण का वास है यह पर्वत छोटे–छोटे बालू पत्थरों से बना हुआ है उस पर्वत की लंबाई 8 किमी है । हिंदू धर्म में मान्यता है कि उसकी परिक्रमा करने से मांगी गई सभी मुरादें पूरी हो जाती है । मार्ग में पडने वाले प्रमुख स्थल हैं गोविंद कुंड ,पूछरी का लोटा, जतीपुरा, राधा कुंड, कुसुम सरोवर, मानसी गंगा, दानघाटी आदि है पर परिक्रमा जहां से शुरू होती है वहीं पर एक प्रसिद्ध मंदिर भी है जिसे दानघाटी मंदिर भी कहा जाता है ।

कोरोना वायरस

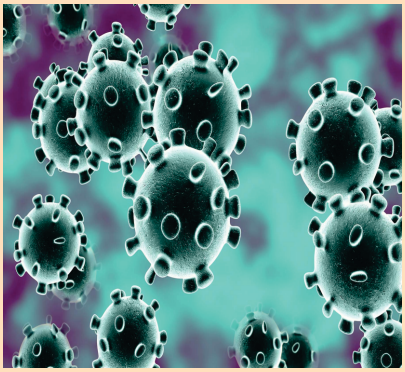

5070 आयुष रंजन कक्षा 6

कोरोना वायरस क्या है ? कोरोना वायरस का परिचय जिसे आमतौर पर कोविड–19 कहा जाता है । एक संक्रामक वायरस है जो मनुष्यों की आरश्वसन प्रणाली में पहुँचकर बीमारी का कारण बन जाता है । कोविड–19 पहली बार दिसंबर 1919 में बुहान चीन में पहचाना गया था लकोरोनावायरस कोविड–19 के लक्षण क्या है कोरोनावायरस या कोविड–19 नीचे दिए गए हैं – सबसे आम लक्षण बुखार ,सूखी खांसी, थकान, गंभीर लक्षण सीने में दर्द, सांस लेने में कठिनाई आदि।

ऑनलाइन शिक्षा

ऑनलाइन शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से घर बैठे ही शिक्षक इंटरनेट के माध्यम से देश के किसी भी कोने या प्रांत में बच्चों को पढ़ा सकते हैं। इसमें शिक्षक और विद्यार्थी अपनी सहूलियत के अनुसार वक्त का चुनाव कर ऑनलाइन जुड़ जाते हैं। आज कोविड–19 के लॉकडाउन में हमें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस समय बच्चों की शिक्षा विद्यालय के निर्देशानुसार शिक्षकों द्वारा बच्चों को ऑनलाइन संचार द्वारा पढ़ा रहे हैं। जिससे बच्चों और शिक्षकों दोनों इस महामारी से सुरक्षित है। आजकल कई कंपनी ऑनलाइन पढ़ाने के लिए अपने ऐप निर्मित कर रही है। जैसे स्काइप गूगल क्लासरूम माइक्रोसॉफ्ट और जूस ऑनलाइन क्लास के फायदे के साथ इसकी नुकसान भी है। इतनी ऑनलाइन शिक्षा के इस दौर में कई बच्चे बिगड़ भी जाते हैं बच्चे पढ़ने के बजाय गेम या वीडियो खेलते या देखते हैं। अपने माता पिता से ढोंग करते हैं कि वे पढ़ रहे हैं। हर चीज की तरह ही ऑनलाइन क्लास के भी अपने फायदे और नुकसान है।

5128 कपिल सिंह कक्षा 9वी, टैगोर हाउस

जब कैद हुए थे घर में

जब कैद हुए थे घर में
स्कूल बाजार सब कुछ बंद
चलता जीवन हुआ मंद
देखकर टीवी हुआ सर दर्द
जब कैद हुए थे घर में
परेशान मम्मी परेशान पापा
सबने खोया अपना आपा
सब झूम रहे एक डर में
जब कैद हुए थे घर में
ना खाँसना ना छींकना
जीना मास्क संग सीखना
भरोसा रखा सैनिटाइजर में
जब कैद हुए थे घर में
काम और स्कूल हुआ ऑनलाइन
ना किसी से बात ना मुलाकात
दूरी रखो सब से ना मिलाओ हाथ
सुनी यही बात गाँव शहर में
जब कैद हुए थे घर में ।

5104 रजत शर्मा कक्षा छठी

कोरोना एक बारिश

1. कोरोना वायरस बहुत खतरनाक बारिश है।
2. कोरोनावायरस को कोविड–19 के नाम से भी जाना जाता है।
3. विश्वस्वास्थ्य संगठन डब्ल्यूएचओ ने कोरोना वायरस को महामारी घोषित कर दिया है।
4. भारत अब तक दुनिया के काफी देशों में फैल चुका है नंबर 65 कोरोनावायरस बहुत सूक्ष्म लेकिन प्रभावी वायरस है।
5. इस बार इसका संक्रमण सितंबर 2019 में चीन की बुहान में शुरू हुआ था। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। 7 कोरोनावायरस की गंभीर मामलों में निमोनिया सांस लेने में ज्यादा दिक्कत किडनी फेल होना। इस वायरस से बचने के लिए हाथों को साबुन से धोना चाहिए और अल्कोहल आधारित सेसेनेटाइगर का इस्तेमाल करना चाहिए। व्यक्तियों को आपस में उचित दूरी रखनी चाहिए।

5155 आयुष, कक्षा छे

देशभक्ति शायरी

मेरा यही अंदाज जमाने को खलता है।
की चिराग हवा के खिलाफ क्यों जलता है।
मैं अमन पसंद हूं मेरे शहर में गंगा रहने दो।
लाल और हरे में मत बांटो मेरे छत पर तिरंगा रहने दो।
जो अब तक ना खोला खून नहीं पानी है।
जो देश के काम ना आए वह बेकार जवानी है।
तीन नहीं बस यह ध्वजा देश की शान है।
हर भारतीय के जनों का स्वाभिमान है।
यही है गंगा सही है हिमालय जय हिंद की जान है।
तीन रंगों में रंगा हुआ है यह अपना हिंदुस्तान है।
प्रार्थना करते हैं अब दुनिया से साफ साफ कहना होगा।
देश प्रेम की प्रबल धारा में सब को बहना होगा।

राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल बेंगलुरु का इतिहास

राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल बेंगलुरु किंग जॉर्ज रॉयल इंडियन मिलिट्री कॉलेज बेंगलुरु कर्नाटक में स्थित है। भारत में पांच राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल हैं जिन में एक आवासीय विद्यालय बेंगलुरु में स्थित है। इसकी स्थापना 1 अगस्त 1946 को हुई थी लबेंगलुरु राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल भारत में अपनी 5 स्कूलों में अपनी मिसाल कायम किए हुए हैं। इस स्कूल में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा प्रदान की जाती है लदाखिला लेने के लिए हजारों की संख्या में बच्चे परीक्षा देते हैं और इन विद्यालयों में अपना दाखिला लेते हैं। बैंगलोर राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल एक अनोखा विद्यालय यहां का वातावरण ना गर्मी ,ना अधिक सर्दी, अक्सर बारिश होती रहती है सामान तापमान के कारण बैंगलोर अनोखा स्थान है जो भारत के अंदर अपनी मिसाल कायम किए हुए हैं। इस विद्यालय में कक्षा 6 से 12वीं के बच्चों को लिए शिक्षा दी जाती है। इस स्कूल में बच्चों को 5 सदनों में बाटा गया हैल् जिनमें नेहरू सदन, राजाजी, सदन शास्त्री, सदन ,टैगोर सदन प्रमुख हैं जिनमें 340 बच्चे रहते हैं। मेरे स्कूल में खाना खाने के लिए एक बहुत ही विशाल मैस हैल् बच्चे खेलने के लिए लंबे–लंबे खेल के मैदान स्थित है। यहां पर इंडोर और आउटडोर खेलों की व्यवस्था है। खेलने के साथ–साथ वाद–विवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता ,कहानी लेखन ,क्रॉस कंट्री ,आदि प्रमुख खेल खेले जाते हैं। तथा 12वीं में 50 पचास परसेंट बच्चे परीक्षा पास कर एनडीए खड़कवासला में प्रवेश ले लेते हैं जो सभी अधिकारी बनकर निकलते हैं।

5007 अनमोल कक्षा सातवीं राजाजी सदन

हिंदी दिवस

हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है हिंदी दिवस भारतीय संस्कृति में हिंदी भाषा को सम्मान देने का एक तरीका है । वर्ष 1949 में संविधान सभा द्वारा हिंदी को देश की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया था । हिंदी दिवस राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाता है जिसमें देश के राष्ट्रपति उन लोगों को पुरस्कृत करते हैं जिन्होंने हिंदी भाषा से संबंधित किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट या श्रेष्ठ काम किया है । स्कूलों और कॉलेजों में प्रबंधन समिति द्वारा ,कविता पाठ ,चित्र लेखन ,कहानी लेखन, अनुभाषण आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है । सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं और शिक्षक हिंदी भाषा के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत करते हैं । हिंदी भारत में व्यापक रूप में इस्तेमाल की जाती है । हालांकि अंग्रेजी के प्रति अभी भी भारत वासियों का झुकाव है और इसके महत्व पर स्कूलों कॉलेजों और अन्य स्थानों पर भी जोर दिया जाता है । परंतु हिंदी हमारे देश की सबसे व्यापक रूप से बोले जाने वाली भाषा है । हिंदी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार ,झारखंड ,छत्तीसगढ़ ,हरियाणा ,राजस्थान और उत्तराखंड सहित कई भारतीय राज्यों की अधिकाधिक बोली जाने वाली भाषा है ।

50 53 प्रीतम राज, शास्त्री सदन

हिंदी का अभिनंदन

मानक मोती कंचन हिंदी
तिलक राष्ट्र का चंदन हिंदी
अपनों से भी अपनी गलती
रेशम सा एक बंधन हिंदी
श्रेष्ठ सरल सुंदर संस्कारी
मिश्री सा संबोधन हिंदी
भाषाओं के वन उपवन में
सरल और सम्मोहन हिंदी ।

नीलेश कक्षा 7

सागर जैसी हिंदी

सागर में मिलती धाराएं
हिंदी सबकी संग्राम है ।
शिवनाथ लिपि से भी आगे एक
भरोसा अनुपम है ।
गंगा कावेरी की धारा साथ में लाती
है । पूरब पश्चिम कमल पंखुड़ी प्रीत
बनाती हिंदी है

4810 शुभम दसवीं

हिंदी दिवस पर कविता
हिंदी को वनवास दे अंग्रेजी को राज ।
हमने 70 साल में कैसा बड़ा समाज ।
हिंदी हिंदुस्तान में हुई सेविका आज ।
पटरानी बनकर यहां इंग्लिश करती राज ।
हिंदी में चेतना हिंदी में है पुराण
हिंदी में देशों का स्वाभिमान सम्मान
हिंदी सूर्य कभी रहे हिंदी है रसखान
आओ सब मिलकर हिंदी का करें उत्थान

राजाजी सदन

प्रवाण चाहान, कक्षा दसवीं

अभिनंदन एवं स्वागत

राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल द्वारा ले कर्नल दीपंकर चौधरी जी का प्राचार्य पद पर हार्दिक अभिनंदन करता है और उनके सफल कार्यकाल की कामना करता है।

विद्यालय परिवार नवनियुक्त प्रशासनिक अधिकारी मेजर विकास सरोहा जी का हार्दिक अभिनंदन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है। साथ ही : श्री चंदन कुमार डे विभागाध्यक्ष चित्रकला, हवलदार ललित साही पी टी आई, हवलदार अरुणकुमार सीक्यूएमएच, लांस नायक बलराम गुहा यू पी टी आई, नायक मोहित चौधरी, ड्रिल इंस्ट्रक्टर, आप सभी का विद्यालय परिवार हार्दिक अभिनंदन करते हुए आपके सफल कार्यकाल की कामना करता है।

सेवानिवृत्ति

श्री देवाशीष दास मास्टर गजिटेड (विभागाध्यक्ष जीव विज्ञान पद) से 28 साल पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए विद्यालय परिवार उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है। श्री सुनील दत्त जी कौशिक मास्टर गजिटेड (विभागाध्यक्ष भौतिक शास्त्र) पद से 36 वर्ष की कुशल कार्यकाल पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए विद्यालय परिवार उनके भावी जीवन की मंगलमय कामना करता है।

सूर्य किरण कक्षा 7

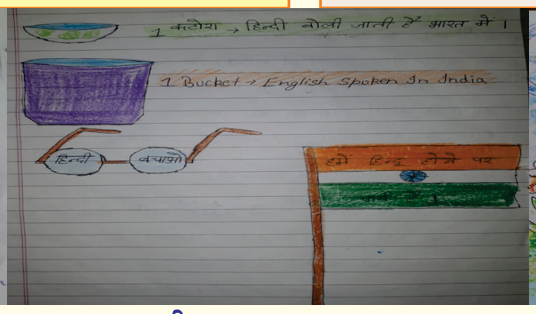

अवनीश कुमार यादव

दक्ष यादव कक्षा 6

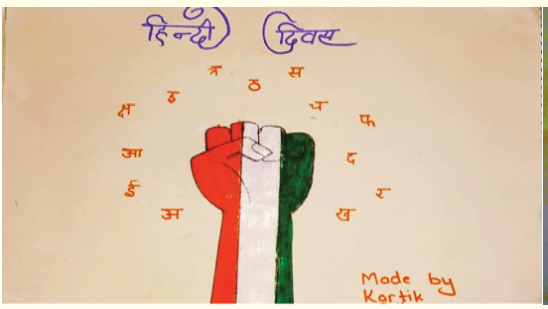

कार्तिक कक्षा 7

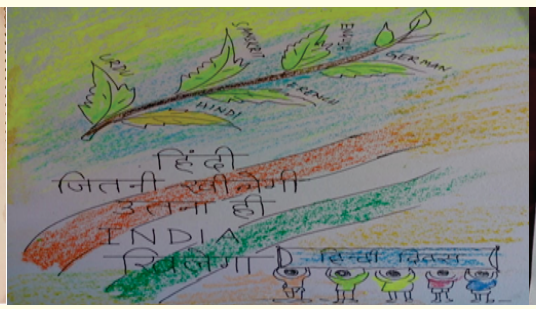

जयंतकुमार कक्षा 6

शिवम कुमार कक्षा 6